मूल्य/धर्मार्थ : 1 पैसा
(केवल बहाईयों में वितरण हेतु)

बहाई समाचारपत्र

Licenced to post without Pre-Payment Posted at DPSO
Delhi on 10/11.11. 2022

Sender's Address:
6, Shrimant Madhavrao Scindia Marg. New Delhi - 110 001 - INDIA

वर्ष : 58 अंक 11 प्रकाशन : प्रत्येक माह की 8 तारीख
नवम्बर 2022 बहाई वर्ष : 179

विश्व न्याय मन्दिर

पूरे बहाई विश्व को अपने कार्य में जुटे हुए देखना वस्तुतः एक उज्ज्वल परिदृश्य को निहारने जैसा है। किसी भी व्यक्तिगत अनुयायी के जीवन में, जिसकी सबसे बड़ी अभिलाषा है अन्य लोगों को अपने सृष्टिकर्ता के सत्संग में आमंत्रित करना तथा मानवजाति की सेवा, उस आध्यात्मिक रूपान्तरण के संकेत देखे जा सकते हैं, जो इस युग के प्रभु ने हर किसी के लिए चाहा है।

–रिजवा़न 2012

मध्य प्रदेश में आयोजित गतिविधियों की झलक

• मध्य प्रदेश के ग्वालियर सबरीजन में स्थित इन्द्रगढ़ समुदाय बानमोर से लगभग 120 किलोमीटर पूर्व और दक्षिण के बीच में स्थित है यह एक नया समुदाय है जहां पर हाल ही में बानमोर समुदाय से एक बहाई मित्र पायनियर के रूप में अपनी सेवा देने के लिए गये हुए हैं, जिन्होंने ग्वालियर सबरीजन टीम के सदस्यों के पूर्ण सहयोग से इन्द्रगढ़ समुदाय के दोहर गांव में परिवारों में प्रत्यक्ष शिक्षण कर कुछ युवा मित्रों को अध्ययनवृत कक्षा में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया और उनको समुदाय निर्माण प्रक्रिया एवं रूही संस्थान कार्यक्रम के बारे में बताया गया। मित्रों के विचारों से प्रभावित होकर वहां के स्थानीय मित्रों ने रूही पाठ्यक्रम में भाग लेना सुनिश्चित किया।

मित्रों के कुछ लगातार भ्रमण के उपरांत दोहर गांव में दो अध्ययनवृत कक्षाओं की शुरूआत पायनियर एवं वहीं पर एक विद्यालय में कार्य कर रहे नेटसी बहाई मित्र के सहयोग से हुई, जिसमें वहां के स्थानीय मित्रों ने अध्ययनवृत कक्षाओं में रूही पुस्तक–1 का अध्ययन करना प्रारम्भ किया और अभी वर्तमान में वहां के स्थानीय मित्रों ने एक अध्ययनवृत कक्षा में पुस्तक–1 का अध्ययन पूर्ण कर पुनः पुस्तक–3 की शुरूआत की है, जो प्रतिदिन संचालित की जाती है।

पायनियर को पूर्ण सहयोग हेतु एवं गतिविधियों में भाग लेने वाले मित्रों तथा उनके अभिभावकों से परामर्श करने के लिये ग्वालियर सबरीजन टीम के सदस्य नियमित रूप से इन्द्रगढ़ जाते हैं, जिसके लिए वह बानमोर समुदाय से सुबह अपनी मोटर साईकल पर सवार होकर निकलते हैं और देर रात को वहाँ से लौटकर वापस आते हैं और वह पूरा दिन का समय उनके साथ बिताते हैं, उन्हें बहाई गतिविधियों एवं प्रार्थना सभाओं के संचालन में सहयोग करते हैं।



पायनियर किशोर कक्षा लेते हुए

इसके अलावा, वहाँ पर कुछ परिवारों में भक्तिपरक सभाओं का आयोजन किया जा रहा है, जिनमें आस–पड़ोस के मित्रगण भाग ले

शेष पृष्ठ 3 पर

इस अंक में

बिहार में आयोजित गतिविधियाँ

• बहाई भवन, पटना में हुकूकुल्लाह विषय पर एक दृढ़ीकरण कक्षा का आयोजन 16 सितम्बर, 2022 को किया गया, जिसमें विभिन्न स्तरों पर सेवा देने वाले कुल 23 मित्रों ने भाग लिया। इस दृढ़ीकरण कक्षा का आरम्भ भक्तिमय वातावरण में बहाई प्रार्थनाओं से किया गया। प्रार्थना एवं प्रतिभागियों द्वारा दिए गए व्यक्तिगत परिचय के उपरांत हुकूकुल्लाह संस्था द्वारा तैयार 12 पाठ यथा–*हुकूकुल्लाह क्या है; ईश्वर सभी से स्वतंत्र है; हुकूकुल्लाह का लाभ; हुकूकुल्लाह का भुगतान एक बेजोड़ परीक्षा; हुकूकुल्लाह हेतु आग्रह की अनुमति सर्वथा निषिद्ध; हुकूकुल्लाह के संदर्भ में ईमानदारी एवं विश्वासपात्रता; हुकूकुल्लाह की गणना, हुकूकुल्लाह बनाम कोष में दान; हुकूकुल्लाह की संस्था का विकास; हुकूकुल्लाह का प्रबंधन एवं हुकूकुल्लाह संबंधी कुछ महत्वपूर्ण कहानियों* में से कुछ पाठों का अध्ययन काफी गहनता के साथ किया गया तथा उस पर विस्तारपूर्वक विमर्श किया गया। साथ ही, प्रत्येक पाठ से संबंधित अभ्यास कार्य को भी पूरा करने हेतु प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया गया।



हुकूकुल्लाह पर आयोजित बैठक में भाग लेने वाले प्रतिभागी

विदित हो कि कक्षा में भाग लेने वाले प्रतिभागीगण अध्ययन के दौरान काफी उत्साहित थे क्योंकि बहुत से मित्रों को इस विषय पर इतनी विस्तारपूर्वक जानकारी पहले नहीं थी जितनी जानकारी इस कक्षा के दौरान प्राप्त हुई। कक्षा का संचालन हुकूकुल्लाह की उपन्यासी ने किया। ज्ञातव्य हो कि 16 सितम्बर, 2022 के पूर्व उन्नत समुदायसमूह बिहारशरीफ़, अलौली एवं ख़गड़िया में भी हुकूकुल्लाह विषय पर दृढ़ीकरण कक्षा का आयोजन किया गया, जिसमें बिहार हुकूकुल्लाह के प्रतिनिधि उपस्थित थे।



रूही पुस्तक–2 का अध्ययन करने वाले मित्रगण

• 21 सितम्बर 2022 को अलौली क्लस्टर के हथवन समुदाय में स्थानीय आध्यात्मिक सभा द्वारा सामुदायिक बैठक का आयोजन

शेष पृष्ठ 4 पर

युगल अवतारों की जयन्ती का उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया

• जयपुर के स्थानीय बहाई समुदाय द्वारा बहाई धर्म के अग्रदूत बाब और युगावतार बहाउल्लाह की युगल जयन्ती के अवसर पर 26 अक्टूबर की संध्या पर बहाई भवन में विशेष प्रार्थनाएं व रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रार्थनाओं के सस्वर पाठ के साथ ही गीतों, नृत्यों, वार्ताओं और अन्य दृश्य–श्रव्य आयोजनों की मोहक प्रस्तुति के साथ बाब एवं बहाउल्लाह के जीवन एवं व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला गया



जयपुर में आयोजित समारोह में भाग लेने वाले मित्रगण

इस दौरान एक नाटक प्रस्तुत किया गया जिसने सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। एक मित्र ने कविता प्रस्तुत कर सबकी तालिया बटोरी तो नृत्य प्रस्तुति ने सबका मन मोह लिया

इस अवसर पर स्थानीय बहाई आध्यात्मिक सभा जयपुर के सचिव ने बताया कि बहाउल्लाह की शिक्षाओं के केंद्र में तीन बुनियादी सत्य हैं – ईश्वर एक है, सभी ईश्वरीय संदेशवाहकों का प्रेरणा–स्रोत एक है और मानवजाति एक है। दो शताब्दियों से भी कम समय में, बहाई धर्म के संदेश का तेजी से प्रसार धार्मिक इतिहास की दृष्टि से अभूतपूर्व है। बहाई धर्म लगभग 300 देशों, प्रदेशों और द्वीपों तक विस्तारित है और इसमें सभी पृष्ठभूमियों के लोग हैं। बहाई साहित्य का अनुवाद 800 से भी अधिक भाषाओं में उपलब्ध है। एक प्रगतिशील मानव समाज के लिए बहाउल्लाह की शिक्षाओं में जीवन के सभी क्षेत्रों के लिए विधान और अध्यादेश शामिल हैं।

समारोह कि मुख्य वक्ता ने बाब और बहाउल्लाह के जीवनकाल के बारे में विस्तार से बताया।

• बाब का 203वाँ और बहाउल्लाह का 205वाँ पावन जन्मोत्सव झारखण्ड राज्य के विभिन्न स्थानों पर 26 एवं 27 अक्टूबर, 2022 को हर्षोउल्लास के साथ मनाया गया। अभी तक राज्य के 12 क्लस्टरों के 23 समुदायों में लगभग 1380 मित्रों के साथ जन्मोत्सव को मनाया गया है। जन्मोत्सव का आयोजन किन्हीं स्थानों पर पारिवारिक समूहों के आधार पर किया गया, तो कहीं पर समुदाय के स्तर पर किया गया। इन पावन अवसर को कहीं पर विशेष प्रार्थना सभाओं के माध्यम से मनाया गया, तो कहीं पर प्रार्थनाओं के साथ–साथ रंगारंग कार्यक्रमों की झलकियों के साथ मनाया गया। इन अवसर पर मित्रों ने मिलकर बाब और बहाउल्लाह की प्रेणादायक जीवनी का अध्ययन किया और उनसे संबंधित जारी फिल्मों को भी देखा। बच्चों और किशोरों द्वारा उद्धरणों, कहानियों एवं गीतों की



झारखण्ड के समुदाय में आयोजित समारोह के प्रतिभागी

शेष पृष्ठ 4 पर

देवलाली में आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन

महाराष्ट्र के देवलाली में परिषद के चुनाव हेतु दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 119 मित्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थनाओं से हुई, उसके उपरांत क्षेत्रीय बहाई परिषद् द्वारा प्राप्त वार्षिक रिपोर्ट को मित्रों के साथ साझा किया, जिसमें क्षेत्र ने 20 चक्रों में विकास, क्लस्टर अभिगमन, गतिविधियों का विकास, कौन–से ऐसे तत्त्व हैं जो क्षेत्र के विकास में कारगर साबित हुए, चुनाव प्रक्रिया, परिवारों के समूहों को सुव्यवस्थित करना, गांवों का विकास, कुछ कार्य रेखाएँ, 9 वर्षीय योजना, सम्मेलनों की श्रृंखला आदि इन संदर्भों पर परामर्श किया। विश्व न्याय मंदिर का 25 मार्च 2007 का संदेश पढ़ा गया, जिसमें प्रिय धर्म संरक्षक द्वारा बहाई चुनाव की प्रक्रिया पर प्रकाश डाला है और बहाई चुनाव की पवित्रता को दर्शाया गया है।



उपस्थित मित्रों को चुनाव की पवित्रता के बारे में बताते हुए

इस संदेश के बाद दो सहायक मंडल सदस्यों द्वारा बहाई चुनाव प्रक्रिया की परिपक्वता के संदर्भ में परामर्श किया, जिसमें 25 मार्च 2007 के संदेश से अनुछेद 7 को पढ़ा। एक प्रार्थनामय वातावरण के साथ मित्रों ने मतदान के अपने पवित्र कर्तव्य को निभाया। चुनाव प्रक्रिया के बाद कुछ युवा और किशोरों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मित्रों ने नृत्य और गीत को प्रस्तुत किया। दीवारों पर 35 गांव और मुहल्लों के मैप लगाये थे। सभी मित्रों से निवेदन किया कि आप सभी अपने ही गांव और मुहल्लों की वास्तविकता को पढ़ें और गतिविधियों का मूल्यांकन करें। मैप प्रस्तुतीकरण के दौरान सभी स्थानीय अध्यात्मिक सभा के सदस्यों ने अपने गांव और मुहल्लों में चल रही गतिविधियों को देखा और परामर्श किया।



मित्रगण अपने–अपने क्षेत्र की गतिविधियों को देखते हुए

दूसरे दिन के कार्यक्रम में पहले दिन की समीक्षा की और दोनों सहायक मंडल सदस्यों के द्वारा विश्व न्याय मंदिर के 30 दिसम्बर 2021 के संदेश को पढ़ा गया, जिसमें हमने देखा की विश्व न्याय मंदिर हमें क्या मार्गदर्शन कर रहे हैं, रचनात्मक काल युग की दूसरी शताब्दी के प्रारंभ में बहाई प्रशासन का आकार काफी विकसित हो चुका है और इसका निरंतर विकास प्रभुधर्म की समाज निर्माण शक्ति को निर्मुक्त करने के लिए आवश्यक होगा। उसी तरह अनुछेद 4 को पढ़ा जिसमें प्रत्येक बहाई का मार्गदर्शन किया है।

दूसरे दिन भी सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

इस दो दिवसीय सम्मलेन में 51 स्थानीय आध्यात्मिक सभा सदस्यों ने प्रतिभागिता की, जिनमें कुछ मित्र उच्चस्तर की शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। सम्मलेन का प्रभाव यह था की स्थानीय आध्यात्मिक सभा के सभी सदस्यों ने बहाई चुनाव प्रक्रिया को काफी करीब से देखा और अनुभव करते हुए अपने पवित्र कर्तव्य को निभाया। इस प्रक्रिया में कुछ सभाएँ पहली बार भाग ले रही थीं।

मध्य प्रदेश में आयोजित गतिविधियों की झलक

पृष्ठ 1 का शेष

रहे हैं। एक किशोर कार्यक्रम की स्थापना भी पायनियर द्वारा की गयी है, जिसमें वह कुछ किशोरों के साथ संपुष्टि की सुरभि पुस्तक का अध्ययन कर रहे हैं।

• राज्य बहाई परिषद, मध्य प्रदेश के द्वारा नियुक्त कोष दल के प्रयास से प्रदेश में सेवा दे रहे परिषद कोषाध्यक्ष के सहायकों के दृढ़ीकरण हेतु बहाई कोष के प्रति एक आध्यात्मिक दृष्टिकोण अपनाना एवं कोष में क्षेत्र के मित्रों की द्वारा बहाई कोष से संबंधित बहुत ही प्रभावशाली एवं कुछ रोचक कहानियों को भी एक–दूसरे के साथ बांटा गया।

कार्यक्रम के दौरान परिषद द्वारा निर्धारित बजट वर्ष 2022–23 के खर्चों को निर्धारित कार्यों के अनुसार साझा किया गया और उसमें सहायक कोषाध्यक्ष किस प्रकार क्षेत्र के अधिक–से–अधिक मित्रों को सहयोग करने हेतु दृढ़ीकरण या जागरूक कर सकते



कोष दृढ़ीकरण की बैठक में भाग लेने वाले मित्रगण

प्रतिभागिता को सुनिश्चित करने हेतु बहाई भवन भोपाल में 25 सितम्बर, 2022 को एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रदेश के भोपाल, इन्दौर, शाजापुर, उज्जैन और बानमोर समुदायों में बहाई कोष की जागरूकता फैलाने हेतु सेवारत सहायक कोषाध्यक्षों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान परिषद कोष दल द्वारा तैयार दृढ़ीकरण सामग्री का गहन अध्ययन किया गया और अध्ययन से प्राप्त महत्वपूर्ण बिन्दुओं और क्षेत्र की वर्तमान परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए, राष्ट्रीय कोष में दान देने वाले मित्रों की संख्या बढ़ाना, क्षेत्र की संस्थाओं और एजेंसियों के साथ अपने संबंधों को कैसे प्रगाढ़ किया जाए जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर परामर्श किया गया। अध्ययन के दौरान मित्रों हैं उसके लिए कुछ शुरूआती प्रयासों को करने की एक योजना पर परिचर्चा की गई।

परिषद के लेखाकार द्वारा प्रदेश के प्राप्त कोष अप्रैल से सितम्बर की एक विस्तृत रिपोर्ट को प्रस्तुत किया गया। साथ ही, मित्रों के बहाई कोष के प्रवाह से संबंधित महत्वपूर्ण प्रश्नों पर गहन परामर्श किया गया। जैसे–सबकी भागीदारी सुनिश्चित करना, दान देने वाले मित्रों की संख्या बढ़ाना, बहाई कोष के बारे में मित्रों को शिक्षित करना और उसमें क्षेत्र की स्थानीय आध्यात्मिक सभाओं को शामिल करना, एक ऐसी प्रभावी प्रणाली स्थापित करना जिससे कोष में दान देने की इच्छा रखने वाले मित्रों के योगदानों को बिना किसी कठिनाई के प्राप्त किया जा सके।

निवेदन

प्रिय मित्रों,

अपने समुदायसमूह में होने वाली मूल गतिविधियों की रिपोर्ट तथा प्रेरणादायक घटनायें फोटोग्राफ के साथ हमें समय–समय पर भेजते रहें, जिससे की हम उन्हें बहाई समाचार में प्रकाशित कर सकें।

धन्यवाद !

झारखण्ड की त्रैमासिक संयोजक एवं सहयोगी बैठक सम्पन्न

जमशेदपुर स्थित बहाई केन्द्र में तीन दिवसीय त्रैमासिक संयोजक एवं सहयोगी तथा दो दिवसीय राज्य स्तरीय संयोजक एवं सहयोगी बैठक का आयोजन झारखण्ड की प्रशिक्षण संस्थान मण्डल द्वारा 7 से 11 अक्टूबर, 2022 तक किया गया। उक्त बैठक में राज्य के 12 क्लस्टरों से लगभग कुल 84 मित्रों ने भाग लिया, जिसमें क्लस्टर एवं राज्य स्तरीय संयोजक एवं सहयोगी, सहायक मंडल सदस्य, परिषद् तथा प्रशिक्षण संस्थान के सदस्य, अनुभवी शिक्षक, अनुप्रेरक, ट्यूटर, क्लस्टर विकास समिति तथा अन्य जिज्ञासु मित्र शामिल हुए। सामूहिक परिचय के बाद गत तीन महीनों की समीक्षा संख्यात्मक एवं प्राप्त उपलब्धियों तथा चुनौतियों के आधार पर की गई। समय–समय पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति के माध्यम से वातावरण को खुशनुमा बनाये रखा गया। दूसरे दिन प्रत्येक गतिविधियों से संबंधित मित्रों का दल बनाकर उससे संबंधित अध्ययन सामग्री का अध्ययन कर अपने समुदाय तथा क्लस्टरों के संबंध में सीखों का आदान–प्रदान किया गया। बहाई बाल समूह के दल के लिए बच्चों की कक्षाओं का औपचारिकरण तथा शिक्षक बैठक के संबंध में पुस्तक–3 के कुछ भागों का चयन किया गया। किशोर दल के लिए भी किशोर पुस्तकों की अवधारणा एवं अनुप्रेरक बैठक के संबंध में पुस्तक 5 से कुछ भागों का अध्ययन किया गया। अध्ययनवृत्त दल के लिए प्रशिक्षण संस्थान की उच्च स्तरीय कार्य प्रणाली से प्रारंभिक संवर्ग से संबंधित भाग का अध्ययन किया गया और प्रार्थना सभाओं के दल ने पारिवारिक प्रार्थना समूह से सम्बंधित परिपत्र का अध्ययन कर परामर्श किया। अध्ययन के उपरांत सभी दलों ने एक जगह एकत्रित होकर अपने समूह की सीखों को साझा किया। इसके बाद आगामी चक्र की योजना हेतु कुछ योजना से सम्बंधित बिंदुओं को प्रशिक्षण संस्थान द्वारा साझा किया गया। तदुपरांत सभी मित्र अपने–अपने क्लस्टरों के स्तर पर योजना बनाने लगे और सभी राज्य स्तरीय संयोजक एवं सहयोगी ने उनकी योजना बनाने में मदद की। तीसरे दिन प्रार्थनाओं के बाद क्लस्टरों के स्तरों पर योजनाओं की प्रस्तुति की गयी। सभी मित्रों ने अपनी योजना में योजना के तत्व जैसे की – प्रारंभिक संवर्ग के सहशिक्षक को तैयार करना, शिक्षक, अनुप्रेरक तथा ट्यूटर बैठक, सामुदायिक बैठक, ग्रेड तथा किशोर पुस्तकों का नियमित विकास, भक्तिपरक पारिवारिक समूह की योजना, क्लस्टर विकास समितियों की बैठक, उच्च स्तरीय रूही पुस्तकों का अध्ययन तथा उनके सहशिक्षक तैयार करना इत्यादि बिंदुओं को शामिल किया। मित्रों द्वारा प्रस्तुत की जा रही योजनाओं को और व्यवस्थित करने से संबंधित मार्गदर्शन प्रदान किये गए। अंत में सभी ने योजनाओं की पूर्णता हेतु सामूहिक प्रार्थनाओं से बैठक को समाप्त किया। इसके अगले दो दिनों तक राज्य स्तरीय संयोजक एवं सहयोगियों ने तीन दिवसीय संयोजक बैठक की सीखों, अंतर्दृष्टियों तथा अनुभवों पर परामर्श कर उन्हें एकत्रित किया। साथ ही, संख्यात्मक रूप से तैयार योजनाओं को और व्यवस्थित किया गया तथा उनकी सहायता से सम्बंधित आवश्यक रणनीतियाँ तैयार की गईं।

बहाई विवाह



असम में कोकराझार क्लस्टर के तेंगापारा गांव के श्री दानस्वरंग बसुमतारी और कोरेगांव की सुश्री निर्मली बसुमतारी का विवाह 11 मई, 2022 को बहाई विधिविधान के अनुसार सम्पन्न हुआ।

Regd. No. DELHIN / 1966 / 04204
Delhi P.S.O.

Delhi Postal Regd No. DL (ND) 11/6036/2021-22-23
Licensed to post without pre-payment No. U (C)-52/2021-22-23

युगल अवतारों की जयन्ती का उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया

पृष्ठ 2 का शेष

प्रस्तुति की गयी। समुदाय के वे सदस्य भी इन महोत्सवों में शामिल हुए जो अभी तक बहाउल्लाह के प्रकटीकरण से अनभिज्ञ हैं। जमशेदपुर, आसनबनी, पटमदा की स्थानीय आध्यात्मिक सभाओं ने समुदाय में पावन जन्मोत्सव की संपूर्ण जिम्मेदारी उठाई और समुदाय के एक महत्वपूर्ण प्रतिशत को जन्मोत्सव में शामिल किया। दिवाली की तरह ही कहीं पर रंग–बिरंगी रंगोली बनाई गई तो कहीं पर खूब अतिशबाजी की गयी। कई स्थानों पर मित्रों ने एक–दूसरे को अपने घरों पर भोजन हेतु आमंत्रित किया, तो कहीं पर गरीबों तथा असहायों के बीच आवश्यक वस्तुओं को बाँट कर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। मित्रों ने इन कार्यक्रमों के माध्यम से विश्व शांति और एकता का संदेश दिया। बहाउल्लाह और बाब के शब्दों को लिखकर एवं बोलकर उपस्थित मित्रों को इनके अर्थों पर विचार हेतु विवश किया। आगामी दिनों में राज्य के और क्लस्टरों तथा समुदायों में इन पावन जन्मोत्सवों को मनाया जायेगा।

• मध्य प्रदेश के इंदौर में बहाई युगल अवतार बाब और भक्तिपूर्ण बहाई पवित्र श्लोकों के सस्वर पाठ से किया। इस अवसर पर सभी विशिष्ट अतिथि प्रतीक जैन वित्त निदेशक, पर्यावरणविद् युगल राजेंद्र सिंह और चंचल कौर, पर्यावरण मित्र राजेंद्र ओचानी एवं ज्योति, नर्सिंग कॉलेज प्राचार्य डॉ उषा उकांडे तथा डॉ मंजू जोशी, डॉ अजय सिसोदिया, डॉ मोहित दुबे द्वारा दीप प्रज्ज्वलित किया गया।

कार्यक्रम की आतिथेय ने बहाई युगल अवतार बाब और बहाउल्लाह के जन्मोत्सव के शुभ अवसर पर सभी का स्वागत करते हुए कहा कि बाब बहाई धर्म के अग्रदूत हैं, जिन्होंने बहाई धर्म के संस्थापक, इस युग के अवतार बहाउल्लाह के आने की भविष्यवाणी की। उन्होंने बताया कि दोनों इस युग के दैवीय शिक्षक हैं जो इस युग के लिए वसुधैव कुटुम्बकम् की स्थापना करने आए। सतत विकास के बारे में उनकी परिभाषा का आधार भी यही है, जैसा दुनिया के सभी धर्मों में समय–समय पर सिखाया गया है कि सृष्टि के



सनावादिया में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित मित्रगण

बहाउल्लाह की जयंती गांव सनावादिया स्थित एक बहाई के घर में हर्षोल्लास, आत्मीय प्रेम एवं आनंद और प्रकृति व पर्यावरण के अनुकूल मनाई गईं। इस कार्यक्रम का शुभारंभ बच्चों द्वारा की गईं बहाई प्रार्थना तथा कुछ मित्रों द्वारा रचयिता से प्रेम के लिए, मानवजाति की भलाई, शांति और न्याय, ईश्वर की सभी रचनाओं, समस्त प्राणियों, मनुष्यों, पशुओं के साम्राज्य, वनस्पति, खनिजों और प्रकृति के पांच तत्वों के साथ सद्भावना से →

विश्व के कल्याण में योगदान के लिए स्वयं से स्थायी स्तर पर प्रयास करते रहना है।

इंदौर कि एक युवा बहाई वक्ता ने बताया कि युगल अवतार बाब और बहाउल्लाह इस युग के दिव्य संदेशवाहक हैं। ईश्वर की एकता, धर्म की एकता और मानवजाति की एकता आज विश्व शांति और विकास के लिए पूरी दुनिया की सबसे बड़ी जरूरत है, जिसे हम बहाउल्लाह की शिक्षाओं और सिद्धांतों पर चलकर की प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही, उन्होंने संक्षिप्त में बाब के जीवनकाल के बारे में भी बताया कि किस प्रकार उन्होंने प्रभुधर्म के लिए अनेक कष्ट उठाते हुए अपने प्राणों का बलिदान दे दिया।

दुनिया भर में लाखों बहाई इस त्यौहार को विविधता में एकता की भावना से मनाते हैं। सभी मानवता और सामाजिक–आर्थिक–आध्यात्मिक–पर्यावरण विकास में सक्रिय रूप से शामिल हैं।

इस अवसर पर उपस्थित सभी गणमान्यजनों और बहाई मित्रों ने दीपमाला प्रज्ज्वलित की और रात्रिभोज का आनंद लिया।

बिहार में आयोजित गतिविधियाँ

पृष्ठ 1 का शेष

किया गया, जिसकी शुरूआत चार अलग–अलग प्रार्थनाओं के साथ की गई, तत्पश्चात् संबंधित सहायक मंडल सदस्य ने हथवन समुदाय के बहाई इतिहास से लोगों को अवगत कराया। बैठक के दौरान हथवन में चल रही मूलगतिविधियों एवं पीएसए ग्रुप से संबंधित सीख को भी साझा किया गया। साथ ही, *'सामाजिक क्रिया की तैयारी'* कार्यक्रम से भी लोगों को अवगत कराया गया। इसके अतिरिक्त, हथवन समुदाय की शिक्षा व्यवस्था, कृषि, स्वास्थ्य आदि विषयों पर भी विशेष रूप से परामर्श किया गया व सरकारी एवं निजी विद्यालय के शिक्षकों के बीच आपसी संबंध पर वार्तालाप की गई। ज्ञातव्य हो कि बैठक के अंत में यह योजना बनाई गई कि कैसे हम सामाजिक क्रिया हेतु छोटे–छोटे कदम उठा सकते हैं। मौके पर उपस्थित ग्राम प्रधान प्रतिनिधि श्री विक्रम राज ने भी बैठक को संबोधित किया तथा उपस्थित मित्रों से सभी बहाई कार्यक्रम को मदद करने की अपील की।

• बिहार के बख़री उपक्षेत्र में क्लस्टर स्तर पर *रूही पुस्तक–2 'सेवा का संकल्प'* का अध्ययन 26 प्रतिभागियों के साथ 2 से 6 सितम्बर 2022 को पूर्ण किया गया। अध्ययन के दौरान मित्रों ने *'शिक्षण का आनन्द', 'दृढ़ीकरण के विषय'* के साथ–साथ *'बहाई मान्यताओं से परिचय'* विषय पर अपनी समझ को बढ़ाया तथा परिवार को सुगठित करने संबंधी प्रमुख विषयों यथा– *मानवजाति की एकता, ईश्वर की शाश्वत संविदा, दिव्यात्मा बाब एवं युगावतार बहाउल्लाह की जीवनी, दान, उन्नीस दिवसीय सहभोज़ एवं स्त्री–पुरुष की समानता* आदि की जानकारी प्राप्त की तथा पुस्तक अध्ययन के दौरान मित्रों ने 6 दलों में विभक्त होकर बहादुरपुर, कामास्थान तथा सकरपुरा समुदाय में प्रतिभागियों के यहाँ गृह–भ्रमण कर उक्त विषयों पर मित्रों का दृढ़ीकरण किया। इसके अतिरिक्त, 57 अन्य घरों में भी विशेष गृह–भ्रमण किया गया, जिसके परिणामस्वरूप 35 नये परिवार के मित्रों ने समूहों में प्रभुधर्म में अपनी आस्था व्यक्त की तथा 25 नये घरों में प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में अलौली क्लस्टर के सहायक मंडल सदस्य एवं उपक्षेत्रीय विकास सहयोगी की भूमिका काफी सराहनीय रही।

कुल पृष्ठ संख्या–4

बहाई समाचारपत्र के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से संबंधित फार्म – 4, नियम 8

समाचार का नाम : बहाई समाचारपत्र
रजि नं. : DELHIN / 1966 / 4204 यू नं. (C)-52/2021-22-23
डी.एल. DL (ND) 11/6036/2021-22-23
प्रकाशक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
(बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1)
प्रकाशन स्थान : बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1

मुद्रक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1
मुद्रण स्थान : श्री मंगलम प्रिंटर्स, एफ–25, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110020
उन व्यक्तियों के नाम जो समाचारपत्र स्वामी हों : राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा को इसका स्वामित्व प्राप्त है, जो सोसायटीज़ एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है।

Licenced to post without Pre-Payment Posted at DPSO Delhi on 10/11.11.2022
Sender's Address:
6, Shrimant Madhavrao Scindia Marg.
New Delhi - 110 001 - INDIA

स्वामी, भारत के बहाईयों की राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा, जो सोसायटीज एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है, के लिए प्रकाशक, मुद्रक : सुशील कुमार के द्वारा श्री मंगलम प्रिंटर्स, एफ–25, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110 020 से मुद्रित एवं बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–110 001 से प्रकाशित (सम्पादक : सुशील कुमार)